# कन्हार

गढ़बो नवा विश्वविद्यालय

## छत्तीसगढ़ की माटी

बारहवें विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर पद्मश्री उषा बारले द्वारा पंडवानी गायन


अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय न्यूज लेटर

संस्करण 13(2) अप्रैल-जून, 2023

त्रैमासिक पत्रिका

''ॐ''

# कुलगीत

बिलासा में बिलसता विश्वविद्यालय अटल है।
महामाया की किरपा बरसती जिस पर धवल है।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है।

'योगः कौशलं कर्मसु'से मंत्रित ज्ञान का मन्दिर।
सिंचा सिउनाथ,अरपा सलिल से विज्ञान का मन्दिर।।
गढ़ा - छत्तीसगढ़ के गढ़ में 'नालन्दा- नवल'है।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है।

शहीदों,सन्त,कवियों की ये माटी 'काले हीरों'की ।
जँवारा, चतुरगढ़,मल्हार संस्कृति की नज़ीरों की ।।
सनातन सृजन के सन्धान का संकुल- सकल है।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है।

पर्वत-काननों से सुसज्जित आदि-सभ्यता से।
प्रकृति की भव्यता से,दिव्यता से,नव्यता से ।।
उदधि सा धीर,व्यापक व्योम सा,भू सा अचल है।
पवन सा सतत सक्रिय,प्रखर रवि सा जो प्रबल है ।।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है ।।

## कुलपति की कलम से .....

विश्वविद्यालय के इस नूतन त्रैमासिक पत्रिका को आपके सामने समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है ।

यह विगत त्रैमासिक काल में विश्वविद्यालय ने ''अन्नपूर्णा'' कैंटिन को नवल प्रयोग के रुप मे स्थापित किया। यह प्रयोग "Earn while you earn" के सिद्धान्त पर कार्य करेगा। जहाँ विभाग के विद्यार्थियों द्वारा यह संचालित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के दो विभागों अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार श्रृंखला आयोजित की जा रही है जो विद्यार्थियों को आवश्यक व्याख्यानों द्वारा नए विषयों पर जानकारी प्रदान करेगी। ''शहीद नन्द कुमार पटेल स्मृति व्याख्यान'' का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।.

योग विभाग अपने सतत् प्रयत्नों से योग का प्रसार-प्रचार करने में सक्रिय है। इस बार विभाग ने महामाया मंदिर में भव्य आयोजन किया।

विश्व पर्यावरण दिवस, तम्बाखु निषेध दिवस विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं विश्व साइकिल दिवस पर प्रासंगिक कार्यक्रमो का सफल आयोजन कराया।

(आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी)

# सोशियोलॉजी ऑफ सैनिटेशन प्रोग्राम

## ''स्वच्छता एक बहुआयमी विषय है ''- आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी

नई दिल्ली के विवेकानंद इंटरनेशनल सेंटर में सुलभ इंटरनेशनल द्वारा आयोजित ''सोशियोलॉजी ऑफ सेनिटेशन'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में माननीय कुलपति जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वच्छता केवल समाजशास्त्र तक ही सीमित नहीं है अपितु इसमें अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, दर्शन विज्ञान और तकनीकी, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, कानून व्यवस्था, व्यापार और प्रबंधन भी सम्मिलित है। पद्म विभूषण श्री बिन्देश्वर पाठक जी ने स्वच्छता को एक अभियान के तरह लिया है। समाज में व्याप्त अस्पृश्यता जैसी कुरीति को नष्ट करने के अभियान की भी आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने सराहना की। अपने भाषण में उन्होंने बाह्य एवं आंतरिक स्वच्छता का महत्व समझाया। विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर स्वच्छता से जुड़े हुए विषयों का अध्ययन तथा अनुसंधान करने से भविष्य की पीढ़ी लाभान्वित होगी। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायालय न्यायमूर्ति टी. एस. ठाकुर, सिक्किम के पूर्व राज्यपाल श्री गंगाप्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।

## अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार श्रृंखला- ''इमर्जिंग ट्रेंड एण्ड इट्स एप्लीकेशन''

**1 अप्रैल, 2023**

इस श्रृंखला के तहत् देश एवं विदेश के विश्वविद्यालयों तथा प्रमुख आई.टी. संस्थाओं के विषय विशेषज्ञ विभिन्न आधुनिक तकनीक जैसे आर्टिफिशियल इंटेजीलेंस, मशीन लर्निंग, आई.ओ.टी., साईबर सिक्योरिटी, इंडस्ट्री 4.0, रोबोटिक्स, आई.टी. एप्लीकेशन, डीप लर्निंग, पायथॉन, सैप इत्यादि पर ऑनलाईन व्याख्यान दिये। विषय विशेषज्ञ के रुप में अमेरिका, ओमान, इंग्लैंण्ड, आस्ट्रेलिया, मारीशस, कुवैत के साथ-साथ भारत के विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों के विषय विशेषज्ञ भी सम्मिलित है। इस व्याख्यान माला का उद्घाटन 1 अप्रैल, 2023 को ऑनलाईन माध्यम से हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी, मेरीलैण्ड विश्वविद्यालय अमेरिका से प्रो. डी.के. शर्मा तथा अमेटी विश्वविद्यालय मारीशस से डॉ. आशीष गडेकर सहित 120 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। इस अवसर पर कुलपति ने विभाग द्वारा किये जा रहे इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे छात्रों को उनके कैरियर निर्माण में लाभ मिलेगा तथा विभाग द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों हेतु बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम के संयोजक तथा विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एस. होता ने इस वेबीनार श्रृंखला के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कम्प्यूटर से संबंधी तकनीक में नित नये बदलाव हो रहे हैं तथा पाठ्यक्रम में उस गति से बदलाव किया जाना संभव नहीं है। अतैव जो नयी तकनीक आज उपयोग की जा रही है, उससे संबंधित वेबीनार के आयोजन में छात्रों को नवीन जानकारी उपलब्ध हो पायेगी तथा इंडस्ट्री में इस तकनीक को किस प्रकार उपयोग किया जा रहा है इसकी जानकारी छात्रों को मिल सकेगी, जिससे छात्र भविष्य में अपना कैरियर बनाने की दिशा में पहल कर सकते हैं। उद्घाटन दिवस को ही मारीशस के डॉ. आशीष गडेकर ने इंडस्ट्री 4.0 पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वेबीनार के सह संयोजक डॉ. रश्मि गुप्ता ने किया।

## कुलपति ने किया अन्नपूर्णा कैंटीन का लोकार्पण

**6 अप्रैल, 2023**

होटल मैनेजमेंट विभाग द्वारा अन्नपूर्णा कैंटीन का शुभारंभ हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर वाजपेयी द्वारा किया गया। यह अन्नपूर्णा कैंटीन अर्न व्हाईल लर्न स्कीम के तहत चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारीगण, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कुलपति ने भगवत गीता में वर्णित श्लोक -

''युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधन्य योगो भति दुःखहा।।1।।

का उल्लेख करते हुए होटल मैनेजमेंट विभाग को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए प्रेरणा दी। कार्यक्रम के संचालक विभाग अध्यक्ष हामिद अब्दुल्ला एवं कैंटीन प्रभारी हैरी जॉर्ज थे तथा सह संचालक समिति में सुश्री दिव्यानी सोनी (सह प्राध्यापक), श्री जोजी जोस (सह प्राध्यापक), सुश्री जस्मीत कौर वालिया (सह प्राध्यापक), श्री आयुष दुबे (सह प्राध्यापक) सम्मिलित रहे।

## डाटा साइंस विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला

**11-12 अप्रैल, 2023**

11-12 अप्रैल 2023 को संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के डाटा साइंस विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विभाग के छात्रों तथा संबद्ध महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर छात्रों हेतु किया गया। डाटा साइंस एक नवीन विषय है जिसमें जटिल डाटा को प्रोसेस कर उसका विश्लेषण किया जाता है। आजकल उद्योग जगत में भविष्य की योजनाएं बनाने तथा जटिल आंकड़ों का विश्लेषण करने हेतु डाटा साइंस का उपयोग बहुतायत में किया जा रहा है तथा सन् 2025 तक भारत में इस क्षेत्र में लाखों लागों को रोजगार प्राप्त होने की संभावना है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए बेंगलुरु के विषय विशेषज्ञ के माध्यम से डाटा साइंस के विभिन्न साफ्टवेयर टूल्स से संबंधित यह कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को प्रायोगिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

## योग प्रदर्शन का आयोजन

**12 अप्रैल, 2023**

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में योग प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि योग विशेषज्ञ एनजी वर्कमैन की उपस्थिति रही।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में योग प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एनजी वर्कमैन नाड़ी एवम योग विशेषज्ञ (यूएसए) अमेरिका रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी ने किया। कार्यक्रम का संचालन सत्यम तिवारी व्याख्याता योग विज्ञान विभाग ने किया। योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष गौरव साहू ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का स्वागत किया एवम् कहा कि बिलासपुर को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का हब बनाने का प्रयास कर रहें है। जिसका लाभ बिलासपुरवासियो को निरोग रहने में मिल सके । शाल श्रीफल एवम स्मृति चिन्ह के द्वारा मुख्य अतिथि एन. जी. वर्कमेन (यूएसए) का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा किया गया।

देशबन्धु संस्कारधानी
बिलासपुर

अमेरिका में भी योग के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ा है-एनजी

एयू में योग कार्यक्रम में पहुंची अमेरिका की योग विशेषज्ञ एनजी वर्कमैन

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद यापन योग अनुदेशक मोनिका पाठक के द्वारा किया । कार्यक्रम में संत विनोबा भावे प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, मंगला से श्री हरि भाई आर्यन, मेहर, गीता तिवारी एवं फुड प्रोसे सग विभाग के विभागाध्यक्ष यशवंत पटेल तथा योग विज्ञान विभाग एवम् नेचुरोपैथी के समस्त छात्र छात्रा रितु नारायण, दुर्गेश, राहुल, नीतीश, प्रिया, श्वेता, रोज अंजलि वर्षा तिवारी आदि बड़ी संख्या में छात्र छात्रा योग के प्रति उपस्थित रहे।

## आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी को विश्व तुलसी सम्मान

**19 अप्रैल, 2023**

आचार्य अरुण दिवाकर को विश्व तुलसी सम्मान

राम चरित मानस के रचयिता और विश्व में भारतीय संस्कृति को स्थापित करने वाले गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म स्थली गोंडा, उत्तर प्रदेश में पंचम विश्व तुलसी सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें विश्व भर से आए विभिन्न साहित्यकारों ने तुलसी के साहित्य पर गंभीर चर्चा की और इसी उपलक्ष्य में आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ को उनके साहित्यिक योगदान के लिए विश्व तुलसी सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें दिनांक 19 अप्रैल 2023 को उनकी अनुपस्थिति में प्रदान किया गया।

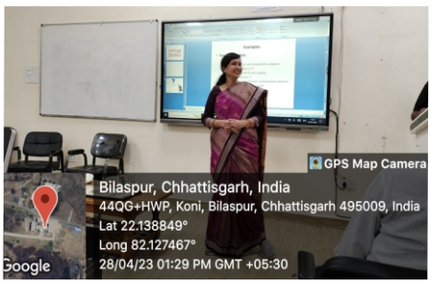

## एकेडेमिक एण्ड इंडस्ट्रीयल पॉप्युलर व्याख्यान माला




यह व्याख्यान माला भौतिक रूप से देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों तथा आई.टी. संस्थानों के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर आयोजित किया गया । समय-समय पर इस विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन विभाग के छात्रों को नवीन जानकारी प्रदान करने तथा पाठ्यक्रम के किसी निश्चित विषय वस्तु पर व्याख्यान आयोजित किये जाने हेतु किया जाता है। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालय के साथ संपन्न एम.ओ.यू. से संबंधित विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ को भी आमंत्रित किया गया। अप्रैल माह में 11 तथा 12, 15 एवं 28 तारीख को केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ, केन्द्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक तथा एस.ओ.यू. विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के कम्प्यूटर साइंस के प्राध्यापकों को आमंत्रित कर प्रासंगिक विषयों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

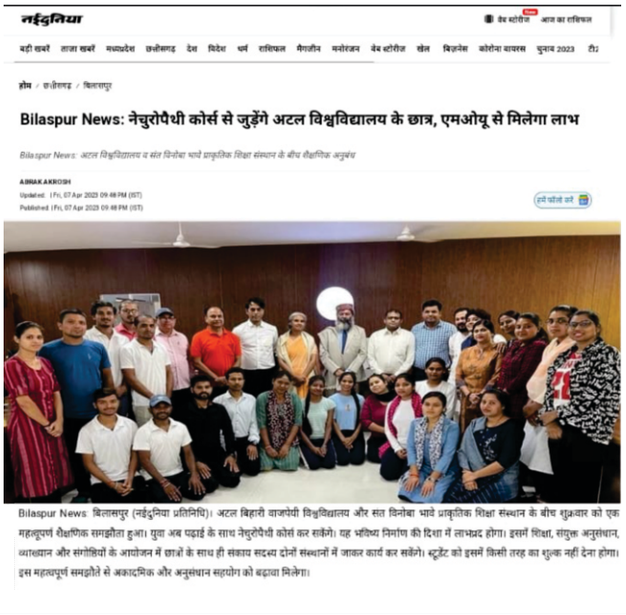

## संत विनोबा भावे प्राकृतिक शिक्षा संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन


नईदुनिया

Bilaspur News: नेचुरोपैथी कोर्स से जुड़ेंगे अटल विश्वविद्यालय के छात्र, एमओयू से मिलेगा लाभ

Bilaspur News: बिलासपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय और संत विनोबा भावे प्राकृतिक शिक्षा संस्थान के बीच शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक समझौता हुआ। युवा अब पढ़ाई के साथ नेचुरोपैथी कोर्स कर सकेंगे। यह भविष्य निर्माण की दिशा में लाभप्रद होगा। इसमें शिक्षा, संयुक्त अनुसंधान, व्याख्यान और संगोष्ठियों के आयोजन में छात्रों के साथ ही संकाय सदस्य दोनों संस्थानों में जाकर कार्य कर सकेंगे। स्टूडेंट को इसमें किसी तरह का शुल्क नहीं देना होगा। इस महत्वपूर्ण समझौते से अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए डी एन बाजपेयी ने संत विनोबा भावे प्राकृतिक शिक्षा संस्थान के संचालक के साथ समझौता ज्ञापन किया। विश्वविद्यालय भविष्य में नेचुरोपैथी पाठ्यक्रम भी संचालित करेगा। प्राकृतिक चिकित्सा, प्रशिक्षण विकास एवं ज्ञान के प्रसार हेतु समझौता ज्ञापन हुआ। इस एमओयू से विश्वविद्यालय के छात्रों को बहुत लाभ मिलेगा, अतिशीघ्र बिलासपुर वासियों को भी नेचुरोपैथी सेंटर का लाभ विश्वविद्यालय प्रदान करेगा।श्री गौरव साहू ने कहा कि नेचुरोपैथी कक्ष व उपचार से संबंधित उपकरण विश्वविद्यालय कुछ समय में ही स्थापित कर लेगा, जिसमें विनोबा भावे संस्थान सहयोग करेगा। कुलसचिव श्री शैलेंद्र दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय की उन्नति में यह एमओयू उत्कृष्ट योगदान प्रदान करेगा।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. ए डी एन बाजपेयी, कुलसचिव शैलेन्द्र दुबे, योग साइंस विभाग के विभागध्यक्ष गौरव साहू, एमओयू संयोजक यशवंत पटेल, निदेशक डॉ. गीता, अनिल तिवारी, योग प्राकृतिक विभाग विशेषज्ञ व मुख्य चिकित्सक डॉ. हरिभाई आर्यन, संतोष केशरवानी, नेचुरोपैथी थेरेपिस्ट अर्जुन भाई, श्वेता माधुरी दत्ता, गायत्री शुक्ला, दुर्गेश राहुल रोशनी, अंजली इंद्राणी, नीतिश, कल्पना, समीर, दीप्ति, राहुल, प्रिया, जागृति, मृदुलाप्रियंका, राजेश, अंजली, मीना जी, प्रभंजना, मुनमुन, चंद्रप्रकाश नेचुरोपैथी के विद्याथी उपस्थित रहे।

## अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार श्रृंखला-''एडवांसेस इन माइक्रोबायोलॉजी एवं बायोइनफॉरमेटिक्स''

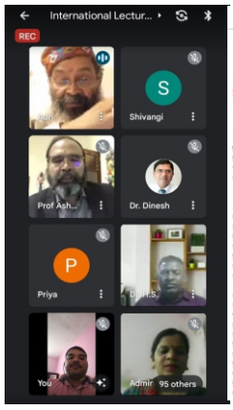

### 26 अप्रैल, 2023




माइक्रोबायोलॉजी एवं बायोइनफॉरमेटिक्स विभाग "एडवांस इन माइक्रोबायोलॉजी एवं बायोइनफॉरमेटिक्स" अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। 24 अप्रैल 2023 को इस व्याख्यान माला का शुभारंभ हुआ। इस श्रृंखला में मुख्य वक्ता डॉ. देबोजा शर्मा, सह प्राध्यापक एप्लाइड साइंसेंज विभाग, यू.एस.टी.एम. विश्वविद्यालय, मेघालय ने अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय व्याख्यान दिनांक 26 अप्रैल को डॉ आरती शनिवारे, निर्देशक, राजीव गांधी बायोटेक्नोलॉजी केन्द्र, आर.एस.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर ने किया। उन्होंने जैविक खाद के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान की। जैविकखाद उद्पादन को लघु उद्योग के रूप में प्रारंभ करने हेतु उन्होंने विद्यार्थियों को आह्वान किया।28 अप्रैल को डॉ. सतीश वेलुरकुर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ने माइक्रो आर.एन.ए. राइबोस्वीचेस विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पूरे प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया और उनके अनुप्रयोग की जानकारी दी। डॉ. अभिजित बाकरे रिसर्च माइक्रो बायोलॉजिस्ट नेशनल पोल्ट्री रिसर्च सेंटर, यू.एस. ने 29 अप्रैल को वायरसेस और आर.एन.ई. पर विस्तृत प्रकाश डाला। यह व्याख्यान माला माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी की अध्यक्षता में संचालित हुई। इस श्रृंखला की संयोजक डॉ. सीमा अनिल बेरोलकर और आयोजन सचिव डॉ. स्वाति रोज टोप्पो रहें। इस व्याख्या माला के सफलता में माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी विभाग के समस्त प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का योगदान रहा ।

## अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस

### 01 मई 2023



श्रम और श्रमिक के बिना अर्थव्यवस्था अधूरी - कुलपति

बिलासपुर , 1 मई (देशबन्धु)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्व विद्यालय बिलासपुर में आज डिपार्टमेंट ऑफ कामर्स एंड फाइनेंशियल स्टडीज और एन एस एस के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विश्व विद्यालय के चतुर्थ तल पर स्थित, सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन दोपहर तीन बजे किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता हरिश केडिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ लघु उद्योग थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी ने किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ पूजा पांडेय, डॉ शुमोना भट्टाचार्य और गौरव साहू थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती को दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ एच एस होता अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखीं और बोरे बासी को छत्तीसगढ़ के श्रमिकों के संस्कृति की प्रतीक बताया। मुख्य अतिथि हरीश केडिया ने अपने उद्बोधन में अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए श्रमिकों की स्थिति और चुनौती पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बसंत साहू, रागिनी बंजारे विजय गभेल ऐसे अनेक उदाहरण देकर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की तरक्की उसके स्वयं के हाथ में है। उन्होंने कहा कि युवा श्रम करो शर्म नहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन श्रमिकों का सम्मान का दिन है। उन्होंने असंगठित क्षेत्र में मजदूरों की स्थिति पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि संगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सरकार अनेक सुविधाएं और व्यवस्था बनाई है परन्तु असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए अभी भी कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा आदि काल से वर्तमान सभ्यता तक अर्थव्यवस्था के केन्द्र में श्रम और श्रमिक विद्यमान है श्रम और श्रमिकों के बिना अर्थव्यवस्था अधुरा है। आभार प्रदर्शन डॉ पूजा पांडेय विभागाध्यक्ष कामर्स एंड फाइनेंशियल स्टडीज ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर मनीद्र मेहता ने किया। इस अवसर पर उपकुलसचिव नेहा यादव, नेहा राठिया, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ मनोज सिन्हा, डॉ गौरव साहू, डॉ शुमोना भट्टाचार्य, डॉ रश्मि गुप्ता, डॉ हैरी जार्ज, डॉ हामिद अब्दुल्ला, डॉ सौमित्र तिवारी, डॉ लतिका भाटिया, डॉ रेवा कुलश्रेष्ठ, डॉ सीमा बेरोलकर, डॉ सुषमा तिवारी, यशवंत पटेल, धर्मेंद्र कश्यप सहित बड़ी संख्या में विश्व विद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापक कर्मचारी और विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

दिनांक 1 मई, 2023 को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के केन्द्रिय सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रुप में श्री हरिश केडिया, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ लघु उद्योग को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी ने किया। डॉ. एच.एस. होता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की रुपरेखा और बोरे बासी को छत्तीसगढ़ के श्रमिकों के संस्कृति का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरिश केडिया ने अपने उद्बोधन में अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुये श्रमिकों की स्थिति और चुनौती पर प्रकाश डाला। माननीय कुलपति आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज का दिन श्रमिकों के सम्मान का दिन है। उन्होंने असंगठित क्षेत्र में मजदूरों की स्थिति पर प्रकाश डाला और कहा कि संगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सरकार अनेक सुविधाएं और व्यवस्था बनाती है परन्तु असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए भी कार्य करने की आवश्यकता है। आदि काल से वर्तमान सभ्यता तक अर्थव्यवस्था के केन्द्र में श्रम और श्रमिक विद्यमान है श्रम और श्रमिकों के बिना अर्थव्यवस्था अधूरा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पूजा पाण्डेय, विभागाध्यक्ष वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग की अतिथि शिक्षक डॉ. महेन्द्र मेहता द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती नेहा यादव, उपकुलसचिव, नेहा राठिया, उपकुलसचिव, डॉ. मनोज सिन्हा, समन्वयक राश्ट्रीय सेवा योजना, डॉ. सुमोना भट्टाचार्य, श्री गौरव साहू, एवं विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे |

## श्रम और श्रमिक के बिना अर्थव्यवस्था अधूरीः बाजपेई

» दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

**लोकस्वर मीडिया नेटवर्क**
lokswar.in

**बिलासपुर।** अटल बिहारी वाजपेई विश्व विद्यालय बिलासपुर में आज 1 मई को डिपार्टमेंट ऑफ कामर्स एंड फाइनेंशियल स्टडीज और एनएसएस के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विश्व विद्यालय के चतुर्थ तल पर स्थित, सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन दोपहर तीन बजे किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता हरिश केडिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ लघु उद्योग थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई ने किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ पूजा पांडेय, डॉ शुमोना भट्टाचार्य और श्री गौरव साहू थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती को दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ एचएस होता अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखी और बोरे बासी को छत्तीसगढ़ के श्रमिकों के संस्कृति की प्रतीक बताया।

### असंगठित मजदूरों के लिए प्रयास जरूरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन श्रमिकों का सम्मान का दिन है। उन्होंने असंगठित क्षेत्र में मजदूरों की स्थिति पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि संगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सरकार अनेक सुविधाएं और व्यवस्था बनाई है परन्तु असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए अभी भी कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा आदि काल से वर्तमान सभ्यता तक अर्थव्यवस्था के केन्द्र में श्रम और श्रमिक विद्यमान है "श्रम और श्रमिकों के बिना अर्थव्यवस्था अधूरा है"।

### श्रमिकों की चुनौतियां कम नहीं- केडिया

मुख्य अतिथि हरीश केडिया ने अपने उदबोधन में अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए श्रमिकों की स्थिति और चुनौती पर प्रकाश डाला। उन्होंने बसंत साहू, रागिनी बंजारे विजय गभेल ऐसे अनेक उदाहरण देकर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की तरक्की उसके स्वयं के हाथ में है। उन्होंने कहा कि 'युवा श्रम करो शर्म नहीं'।

### इनकी रही उपस्थिति

आभार प्रदर्शन डॉ पूजा पांडेय विभागाध्यक्ष कामर्स एंड फाइनेंशियल स्टडीज ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर मनीद मेहता ने किया। इस अवसर पर उपकुलसचिव नेहा यादव, नेहा राठिया, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ मनोज सिन्हा, डॉ गौरव साहू, डॉ शुमोना भट्टाचार्य, डॉ रश्मि गुप्ता, डॉ हैरी जार्ज, डॉ हामिद अब्दुल्ला, डॉ सौमित्र तिवारी, डॉ लतिका भाटिया, डॉ रेखा कुलश्रेष्ठ, डॉ सीमा बेरोलकर, डॉ सुषमा तिवारी, यशवंत पटेल, धर्मेंद्र कश्यप सहित बड़ी संख्या में विश्व विद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापक कर्मचारी और विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

## महामाया नगरी में ''जन जन में योग'' योग कार्यक्रम का आयोजन

**04 मई 2023**

विश्व विद्यालय बिलासपुर द्वारा दिनांक 04 मई 2023, को प्रातः सात बजे से दोपहर बारह बजे तक योग विज्ञान विभाग तथा मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान नई दिल्ली व आयुष मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में " जन जन में योग "विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है |यह कार्यक्रम दो चरणों में विभाजित है प्रथम चरण में प्रातः सात से साढे आठ बजे तक अंतराष्ट्रीय योग का प्रोटोकाल प्रदर्शन का आयोजन हुआ | दुसरे चरण में साढ़े नौ बजे से बारह बजे तक "योग विचार यज्ञ" का आयोजन किया गया | जिसमें मुख्य अतिथि श्री ज्ञानेश शर्मा जी, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग तथा विशिष्ट अतिथियों में श्री रविन्द्र सह, सदस्य छत्तीसगढ़ योग आयोग, श्री आशीष सह संरक्षक, महामाया मंदिर ट्रस्ट, रतनपुर रहें तथा योग वक्ता के रूप में डॉ. शालिनी सरकार, सहायक प्राध्यापक शिक्षण विभाग एनटीपीसी सीपत, डॉ. विद्याभूषण , शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय बिलासपुर, डॉ. हरे राम पांडेय, सहायक प्राध्यापक, इन्दिरा गांधी जनजाति विश्व विद्यालय अमरकंटक तथा श्री मृत्युंजय राठौर एम्स रायपुर होंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी ने की | यह आयोजन " योगोत्सव " काउंट डाउन डे ऑफ योगा 2023 का एक हिस्सा है जिसमें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान व आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा आयोजित देश के विभिन्न क्षेत्रों में योग से संबंधी व्यापक कार्यक्रम का भाग है जो अटल बिहारी वाजपेयी विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित किया गया | पिछले वर्ष 2022 में इसी प्रकार का आयोजन पुरातत्व नगरी मल्हार में आयोजित किया गया |

सिटी एंकर
एयू व मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने किया योग शिविर का आयोजन

## जीवन की सबसे बड़ी चुनौती स्वस्थ व निरोग रहना: ज्ञानेश

बिलासपुर @ पत्रिका. व्यक्ति के लिए जीवन की सबसे बड़ी चुनौती स्वस्थ रहना, निरोगी रहना और खुशहाल रहना है। यह योग से ही संभव है। योग को अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं।

योग शरीर और मन को स्थिर करता है: कुलपति

प्राचीन मनीषियों का मानव समाज को देन: पांडेय



बिलासपुर भास्कर 05-05-2023

आयोजन - महामाया मंदिर परिसर में एयू व छग योग आयोग ने कराया योग व विचार गोष्ठी

## योग: रक्षित रक्षतिः मां महामाया मंदिर में संकल्प, घर-घर तक पहुंचाएंगे योग

विश्व योग दिवस के काउंटडाउन के तहत 48वें दिन हुआ कार्यक्रम



## व्यक्ति के लिए जीवन की सबसे बड़ी चुनौती स्वस्थ व निरोग रहना- ज्ञानेश

एयू व मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान नई दिल्ली आयुष मंत्रालय ने किया रतनपुर में योग शिविर का आयोजन



छत्तीसगढ़ वॉच

## जन-जन में योग कार्यक्रम महामाया नगरी में सम्पन्न

# जी20 के अंतर्गत सी20 पर ''विविधता का सम्मान'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन

**06 मई, 2023**

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं इंटरनेशनल सेंटर फार कल्चरल स्टडी के संयुक्त तत्वधान में विश्वविद्यालय के कोनी में दिनांक 06 मई, 2023 को प्रातः 10.00 बजे से '' विविधता का सम्मान, वैश्विक समस्या का समाधान इंडो लिथुआनियन भाषाई समानता'' विषय पर जी20 के अंतर्गत सी20 पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजित हुआ। विश्व में छः अरब से अधिक जनसंख्या है परंतु दो लोग भी समान नहीं है। यही प्रकृति की विविधता है। विश्व में 195 से अधिक देश है कोई बहुत बड़ा है कोई बहुत छोटा सभी में क्षेत्रीयता, संस्कृति आदि की विविधता है जिसे सभी स्वीकार करते हैं। इस वर्ष जी20 का मूल मंत्र एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य है। नागरिक समाजिक संगठनों के माध्यम से समाज की चिंताओं एवं आकांक्षाओं को वैश्विक स्तर पर रखने का कार्य करता है। आज का विषय विविधता का सम्मान भारतीय सभ्यता और संस्कृति की मूल विचार धारा से जुड़ा है।



एयू में जी 20 अंतर्गत सी 20 विविधता का सम्मान विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार

## सर्वे भवन्तु सुखिनः वाली भारतीय संस्कृति सभी प्राणियों की खुशी की कामना करती है



सिटी टाइम्स
इवनिंग टाइम्स

## अटल यूनिवर्सिटी में सी20 पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार संपन्न



छत्तीसगढ़ वॉच

## जी20 के अंतर्गत सी20 पर अटल विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार



बिलासपुर स्वर

## जी-20 का अध्यक्षता हमारे देश को मिलना गौरव की बात: बाजपेई

अटल विश्वविद्यालय में सी 20 विविधता का सम्मान विषय पर अंतराष्ट्रीय सेमिनार संपन्न



लोकर

## एयू सामाजिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक क्षेत्र में भी दे रहा योगदान-रामसुंदर

# अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में संबोधन

**12-13 मई, 2023**

कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी ने एक सप्ताह के फ़िजी यात्रा में फिजी गणराज्य के उप प्रधानमंत्री बीरन प्रसाद से सौजन्य मुलाकात की। कुलपति ने युनिव सटी आफ साउथ पेसिफिक के अंतर्गत गिरमिट इंस्टिट्यूट के द्वारा आयोजित 12 और 13 मई को अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में ''गिरमिटिया डिप्लोमेसी फार इंटरनेशनल कोआपरेशन'' पर विश्व के गिरमिट विषय के विशेषज्ञो को संबोधित किया। इस वक्तव्य में माननीय कुलपति जी ने अनेक विषयों पर चर्चा की, जैसे भारतीय संस्कृति, हिन्दी भाषा, भारतीय धर्म और दर्शन। अटल बिहारी वाजपेयी विश्व विद्यालय और फिजी में स्थित विश्व विद्यालय के बीच परस्पर सहयोग का भी प्रस्ताव व्यक्त किया।

कुलपति जी ने फीजी की राजधानी सूवा में अंतरराष्ट्रीय गिरमिटि अधिवेशन में विश्व भर के विद्वानों और विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए कहा कि ''गिरमिटिया देशों को यूरोपियन यूनियन (EU) की भांति गिरमिटिया यूनियन (GU) का निर्माण करना चाहिए क्योंकि इन देशों की जनसंख्या, क्षेत्रफ़ल, सकल राष्ट्रीय उत्पाद बहुत कम है। सारे देशों का मिलाकर विश्व मे 1 से भी हिस्सा कम है।''

प्रमुख रुप से ये देश हैं फीजी, गुयाना, साउथ अफ्रीका, मॉरीशस ,त्रिनिदाद और टोबैगो, जमैका। इन देशों के परस्पर आर्थिक व्यापारिक संबंध भी बहुत कम है जब कि भाषा और संस्कृति के संबंध प्रगाढ़ हैं। इन देशों के भारत के साथ आर्थिक संबंध भी अपेक्षाकृत बहुत कम है जैसे कि अमेरिका, यूके, चीन, आदि देशों के साथ। वाजपेयी जी ने गिरमिटिया समुदाय को एक साथ और सबको भारत के साथ विभिन्न व्यूह रचना बना कर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

## गिरमिट देशों को बनाना चाहिए अपने विकास की योजनाएं: वाजपेयी

» कुलपति वाजपेयी फिजी गणराज्य के लिए हुए रवाना

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

**बिलासपुर।** अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी आज अपने एक सप्ताह के दौरे पर फिजी रवाना हुए। वह यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पेसिफिक के अंतर्गत गिरमिट इंस्टिट्यूट के द्वारा आयोजित 12 और 13 मई को अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में 'अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गिरमिटिया कूटनीति' पर विश्व के गिरमिट विषय के विशेषज्ञों को संबोधित करेंगे। यह विश्व विदित है कि लगभग 190 वर्ष पूर्व भारत वर्ष के भिन्न-भिन्न स्थानों से फिजी, गुयाना, साउथ अफ्रीका , त्रिनिदाद और टोबैगो , मॉरीशस, जमैका, सूरीनाम आदि देशों में एक एग्रीमेंट के अंतर्गत ब्रिटिश शासन द्वारा बंधुआ मजदूर के रुप में लाखों लोग भेजे गए थे, जिसमें स्त्री पुरुष बच्चे सभी थे। इन बंधुआ मजदूरों ने अपने प्रवासी देशों में जाकर विभिन्न प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक ,शारीरिक यातनाएं झेली। परंतु अपनी भाषा, संस्कृति और सभ्यता को जीवित रखा। उन्होंने अपने प्रवासी देशों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दिया । इस एग्रीमेंट से ही अपभ्रंश में गिरमिट शब्द उत्पन्न हुआ और वही से गिरमिटिया शब्द चल पड़ा। आचार्य वाजपेयी का मानना है कि ये गिरमिटिया देश मिलकर के आपस में परस्पर एक समझौते के अंतर्गत सहयोगात्मक रूप रखें और 'यूरोपियन यूनियन' की भांति 'गिरमिटिया यूनियन' का निर्माण करें जो कि उनके विभिन्न आयामों को विकसित करने में सहयो प्रदान करें। ज्ञातव्य हो कि आचा वाजपेयी फरवरी माह में फिजी दे में ही 12 वें विश्व विश्व हिं सम्मेलन में भारतवर्ष के राष्ट्री प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रू में गए थे। उन्होंने उसमें वहां प भाषाई समन्वय की बात की थी गिरमिटिया डिप्लोमेसी के अंतर्ग भी उनका मानना है हिंदी ,भारती संस्कृति और साहित्य का एक य के रूप में उपयोग करते हुए गिरमि देशों को अपने विकास क योजनाएं बनाना चाहिए। उनका य भी मानना है कि गिरमिटिया दे और भारत वर्ष के मध्य और प्रगा संबंध स्थापित होना चाहिए। अप इस यात्रा के लिए माननीय कुलपति ने फिजी के भारतवर्ष में उच्चायुक्त डॉ कमलेश एस प्रकाश, छत्तीसग के सम्मानीय राज्यपाल विष्णु भूष हरिचंदन, प्रदेश के शिक्षा मं उमेश पटेल के प्रति विशेष रूप आभार प्रकट किया है। साथ अटल बिहारी वाजपे विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक और अधिकारियों को भी धन्यवा दिया है।

## कुलपति वाजपेयी फिजी गणराज्य के लिए रवाना

**बिलासपुर** , 7 मई (देशबन्धु)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी आज अपने एक सप्ताह के दौरे पर फिजी रवाना होंगे। वह यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पेसिफिक के अंतर्गत गिरमिट इंस्टिट्यूट के द्वारा आयोजित 12 और 13 मई को अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में पर विश्व के गिरमिट विषय के विशेषज्ञों को संबोधित करेंगे। यह विश्व विदित है कि लगभग 190 वर्ष पूर्व भारत वर्ष के भिन्न-भिन्न स्थानों से फिजी ,गुयाना, साउथ अफ्रीका , त्रिनिदाद और टोबैगो , मॉरीशस, जमैका, सूरीनाम आदि देशों में एक के अंतर्गत ब्रिटिश शासन द्वारा बंधुआ मजदूर के रुप में लाखों लोग भेजे गए थे , जिसमें स्त्री पुरुष बच्चे सभी थे इन बंधुआ मजदूरों ने अपने प्रवासी देशों में जाकर विभिन्न प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक ,शारीरिक यातनाएं झेली। परंतु अपनी भाषा, संस्कृति और सभ्यता को जीवित रखा। उन्होंने अपने प्रवासी देशों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दिया

इस एग्रीमेंट से ही अपभ्रंश में गिरमिट शब्द उत्पन्न हुआ और वही से गिरमिटिया शब्द चल पड़ा । आचार्य वाजपेयी का मानना है कि ये गिरमिटिया देश मिलकर के आपस में परस्पर एक समझौते के अंतर्गत सहयोगात्मक रूप रखें । और यूरोपियन यूनियन की भांति गिरमिटिया यूनियन का निर्माण करें जो कि उनके विभिन्न आयामों को विकसित करने में सहयोग प्रदान करें । ज्ञातव्य हो कि आचार्य वाजपेयी फरवरी माह में फिजी देश में ही 12 वें विश्व विश्व हिंदी सम्मेलन में भारतवर्ष के राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में गए थे। उन्होंने उसमें वहां पर भाषाई समन्वय की बात की थी। गिरमिटिया डिप्लोमेसी के अंतर्गत भी उनका मानना है हिंदी ,भारतीय संस्कृति और साहित्य का एक यंत्र के रूप में उपयोग करते हुए गिरमिट देशों को अपने विकास की योजनाएं बनाना चाहिए। उनका यह भी मानना है कि गिरमिटिया देश और भारत वर्ष के मध्य और प्रगाढ़ संबंध स्थापित होना चाहिए।

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

**11 मई**

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 से प्रत्येक वर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया जाता है। वर्ष 1998 में पोखरन परमाणु प्रशिक्षण की 10व वर्षगांठ मनाने के उद्देश्य से तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे महत्वपूर्ण दिवस के रुप में चिन्हांकित किया और पहली बार 1999 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रुप में मनाने की शुरुवात हुई। तब से प्रत्येक वर्ष 11 मई को इस दिवस को शैक्षणिक संस्थानों में धूमधाम से मनाया जाता है तथा तकनीक में संबंधी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।

11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेई तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के डॉ. मनु सूद सम्मिलित रहे। इस उपलक्ष्य में विभाग के छात्रों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओ तथा व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। उद्घाटन सत्र के पश्चात हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय के डॉ. मनु सूद का ''नेक्स्ट जनरेशन तकनीक'' विषय पर व्याख्यान हुआ, तत्पश्चात विभाग में अध्ययनरत समस्त सेमेस्टर के छात्रों का ''सतत् विकास हेतु तकनीकी'' से संबंधित विभिन्न विषयों में प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 125 छात्रो ने अपना प्रेजेन्टेशन विभिन्न नवीन तकनीक के विषयों पर दिया गया। चतुर्थ सत्र ''इम जग तकनीक'' विषय पर क्वीज का आयोजन किया। जिसमें 35 टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतियोगिताओं हेतु प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुस्कार प्रदान किया गया तथा सभी छात्रों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।



## यूथ का नया लक्ष्य मशीन लर्निंग स्मार्ट एग्रीकल्चर व आइओटी

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। स्कूल-टू-स्टार्टअप मूल मंत्र के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। 125 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों में प्रेजेंटेशन दिया। युवाओं का लक्ष्य मशीन लर्निंग, स्मार्ट एग्रीकल्चर व आइओटी पर था।

प्रशासनिक भवन के सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्राध्यापक डा.मनु सूद थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेंद्र दुबे शामिल हुए। कुलपति आचार्य प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी फिजी गणराज्य से वर्चुअल शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तकनीक के उपयोग के बिना जीवन संभव नहीं है। लेकिन तकनीक या मशीन का मानव पर नियंत्रण घातक हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटलीजेंस का उपयोग समाज और राष्ट्र की बेहतरी के लिए होना चाहिए न कि विनाश के लिए। इसे लेकर हमारे विज्ञानियों को विचार करना होगा और तकनीक, संस्कृति के बाद के पायदान में होना चाहिए ताकि हमारी संस्कृति एवं परंपराएं जीवित रह सके।

अटल विश्वविद्यालय के सीएस विभाग द्वारा दिया गया प्रेजेंटेशन ● नईदुनिया

**छात्रों के लिए एक शानदार मौका : डा. मनू**

मुख्य अतिथि डा.मनू सूद ने नेक्स्ट जनरेशन तकनीक विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि तकनीक अपने नए-नए स्वरूप के साथ हम सबके सामने आ रही है। इसने मानव मस्तिष्क के सोचने-समझने की शैली को ही परिवर्तित कर दिया है। उन्होंने भविष्य की नई तकनीक पर व्याख्यान दिया।

**नवीन तकनीक पर दिया बल : डा. होता**

विभागाध्यक्ष डा. एचएस होता ने बताया कि विभाग के 125 छात्रों द्वारा सतत् विकास के लिये तकनीक विषय पर प्रेजेंटेशन दिया गया। छात्रों ने नवीन तकनीक यथा मशीन लर्निंग, स्मार्ट एग्रीकल्चर, आइओटी इत्यादि विषयों पर अपने आकर्षक प्रेजेन्टेशन दिए।

**इनका रहा विशेष सहयोग**

सहायक प्राध्यापक जीतेंद्र कुमार गुप्ता, सहायक प्राध्यापक डा.रश्मि गुप्ता एवं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के डा. मनीष श्रीवास्तव समेत विभाग के सभी प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं छात्रों का विशेष सहयोग रहा।

**लाजवाब प्रेजेंटेशन**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | एमसीए II सेमेस्टर - | डोल कुमार, उज्वल माटोलिया, रीतू साहू |
| 2. | एमएससी (कम्प्यूटर साइंस) II सेमेस्टर - | राधा सिंह चैहान |
| 3. | बीएससी (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस II सेमेस्टर - | सारांश सिंह, सुमित सोनी |
| 4. | बीएससी (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस IV सेमेस्टर - | किशन कौशिक |
| 5. | बीएससी (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस VI सेमेस्टर - | उत्कर्ष श्रीवास्तव |

**क्विज विजेता**

**प्रथम** - शशीकांत, रूपांजली, एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस) II सेमेस्टर

**द्वितीय** - ओमप्रकाश, पार्वती, एम.सी.ए. II सेमेस्टर

## व्याख्यान माला

**16 मई, 2023**

विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग में 16 मई, 2023 को व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इसमे मुख्य वक्ता डॉ. दिशा शर्मा एमिटी विश्वविद्यालय रायपुर रहीं। व्याख्यान का विषय ''सिक्योरिटी मार्केट आपरेशंस'' कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित हुआ जिसमें विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा पांडे कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमोना भट्टाचार्य श्री गौरव साहू , डॉ. महेंद्र मेहता, सुश्री सुषमा तिवारी, श्री सौरभ पांडे एवं विभाग के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

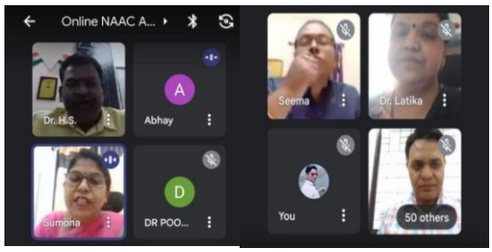


## आभासी संकाय विकास कार्यक्रम

**17-22 मई, 2023**

**मातृभाषा में लिखित शोध पत्र को दिया जाना चाहिए प्रोत्साहनः वाजपेयी**

**आर्ट ऑफ राइटिंग रिसर्च पेपर विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित**

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क

**बिलासपुर।** अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा स्थापित अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केन्द्र के द्वारा ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह संकाय विकास कार्यक्रम 17-22 मई तक भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली तथा अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केन्द्र अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आर्ट ऑफ राइटिंग रिसर्च पेपर विषय पर आयोजित किया जा रहा है। ऑनलाइन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी ने शोध पत्र के गुणवत्ता को केन्द्र में रखकर नवीन शोध कार्य करने हेतु शोधार्थियों एवं शिक्षकों को प्रोत्साहित किया और कहा कि मातृभाषा में भी शोध को बढ़ावा देना चाहिये, राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शोध तथा अध्ययन -अध्यापन पर जोर देती है। परंतु ऐसा करते हुये हमें वर्तनी, शुद्धता की ओर भी ध्यान देना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक शोध सैद्धांतिक आधार पर किया जाना चाहिये तथा शोध को अध्ययन-अध्यापन के साथ जोड़कर निरंतर किया जाना चाहिये।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अमरेन्द्र पाणी ने अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केन्द्र के स्थापना के पीछे के उद्देश्य को रेखांकित करते हुये कहा कि नवीन तकनीक से संबंधी जानकारी देने के लिये इस केन्द्र की स्थापना की गयी है। पूरे देश में ऐसे 09 केन्द्र स्थापित किये गये है। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय भी एक केन्द्र है जो अच्छा कार्य कर रही है। चूंकि संपूर्ण संकाय विकास कार्यक्रम एवं प्रशासनिक विकास कार्यक्रम तकनीक पर आधारित है अतैव इसका संचालन कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है, कि प्रथम संकाय विकास कार्यक्रम दिसंबर 2022 में आयोजित किया गया था और यह दूसरा संकाय विकास कार्यक्रम है। जिसमें 65 प्रतिभागी विभिन्न राज्यों से सम्मिलित हो रहे है। कुल 12 सत्रों में 12 विशेषज्ञ शोध पत्र लेखन से संबंधी बारीकियों को बतायेंगे तथा विभिन्न सूचना संचार तकनीक जिसे शोध लेखन के लिये प्रयुक्त किया जाता है, के संबंध में विस्तृत रूप से अपनी बातें रखेंगे। कार्यक्रम में शोध पत्र लिखने हेतु प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया जावेगा तथा उन्हें शोध पत्र भी जमा करना होगा ताकि वे शोध पत्र की बारीकियों को समझ सके तथा अच्छे शोध पत्र लिख सके। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम के संयोजक डॉ.एचएस होता ने स्वागत भाषण देते हुये सभी अतिथियों का स्वागत किया और संकाय विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला और कहा कि छ.ग. जैसे राज्य के लिये यह विषय बहुत ही प्रासंगिक है। इस प्रकार के आयोजन से शिक्षकों और शोधार्थियों को निश्चित रूप से लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न तकनीक से संबंधित विषयों पर 08 संकाय विकास कार्यक्रम ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किया जावेगा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. रश्मि गुप्ता सहायक प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन ने किया। प्रथम सत्र में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कम्प्यूटर साइंस के प्राध्यापक डॉ. इंगले ने शोध पत्र लेखन के समय ध्यान देने वाली बातों को सरल शब्दों में समझाया तथा शोध पत्र के विभिन्न घटकों को उदाहरण देकर समझाया।

मातृभाषा में लिखित शोध पत्र को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए- कुलपति आचार्य ए.डी. एन. बाजपेयी भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा स्थापित अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केन्द्र द्वारा ऑनलाईन संकाय विकास कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह संकाय विकास कार्यक्रम 17-22 मई 2023 तक भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली तथा अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केन्द्र अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में ''आर्ट आफ राइटिंग रिसर्च पेपर'' विषय पर आयोजित किया गया। आनलाईन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी ने शोध पत्र के गुणवत्ता को केन्द्र में रखकर नवीन शोध कार्य करने हेतु शोधा थयों एवं शिक्षकों को प्रोत्साहित किया तथा कहा कि मातृभाषा में भी शोध को बढ़ावा देना चाहिये, राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शोध तथा अध्ययन - अध्यापन पर जोर देती है। परंतु ऐसा करते हुये हमें वर्तनी, शुद्धता की ओर भी ध्यान देना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक शोध सैद्धांतिक आधार पर किया जाना चाहिये तथा शोध को अध्ययन-अध्यापन के साथ जोड़कर निरंतर किया जाना चाहिये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अमरेन्द्र पाणी ने अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केन्द्र के स्थापना के पीछे के उद्देश्य को रेखांकित करते हुये कहा कि नवीन तकनीक से संबंधी जानकारी देने के लिये इस केन्द्र की स्थापना की गयी है। पूरे देश में ऐसे 09 केन्द्र स्थापित किये गये है।

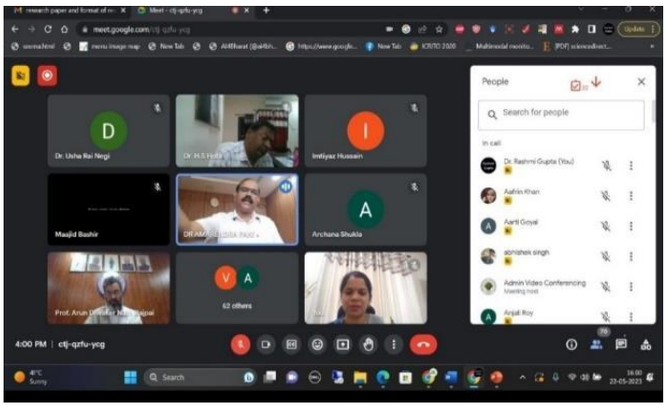

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय भी एक केन्द्र है जो अच्छा कार्य कर रही है। चूंकि संपूर्ण संकाय विकास कार्यक्रम एवं प्रशासनिक विकास कार्यक्रम तकनीक पर आधारित है, अतएव इसका संचालन कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है, कि प्रथम संकाय विकास कार्यक्रम दिसंबर 2022 में आयोजित किया गया था और यह दूसरा संकाय विकास कार्यक्रम है। जिसमें 65 प्रतिभागी विभिन्न राज्यों से सम्मिलित हुए। कुल 12 सत्रों में 12 विशेषज्ञ शोध पत्र लेखन से संबंधी बारीकियों को बताई तथा विभिन्न सूचना संचार तकनीक जिसे शोध लेखन के लिये प्रयुक्त किया जाता है, के संबंध में विस्तृत रुप से अपनी बातें रखी। कार्यक्रम में शोध पत्र लिखने हेतु प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया तथा उन्हें शोध पत्र भी जमा कराया गया ताकि वे शोध पत्र की बारीकियों को समझ सके तथा अच्छे शोध पत्र लिख सके।

## ''प्रशासन और आंतरिक सुरक्षा'' विषय पर शहीद नंदकुमार पटेल शोध पीठ द्वारा तृतीय व्याख्यान माला सम्पन्न

शहीद नंदकुमार पटेल लोक प्रशासन एवं अपराध अध्ययन शोध पीठ अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के द्वारा तृतीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान माला का विषय "शासन और आंतरिक सुरक्षा" था। इस व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि तथा वक्ता श्री राजेश मिश्रा (आईपीएस) संचालक राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर छत्तीसगढ़ थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. विवेक बाजपेई जी निर्देशक शहीद नंदकुमार पटेल शोध पीठ तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेइयी जी ने की।

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सौमित्र तिवारी ने व्याख्यान माला की रुपरेखा रखते हुए पूर्व के व्याख्यान की जानकारी और इसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. एच एस होता ज़ी ने अपने उद्बोधन में शहीद नंदकुमार पटेल के जीवन वृत्तांत का वर्णन करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को अविस्मरणीय कहा। विशिष्ट अतिथि डॉ. विवेक बाजपेई, निदेशक शहीद नंदकुमार पटेल शोध पीठ ने अपने उद्बोधन में झीरम घाटी कांड का आंखों देखा हाल का वर्णन किया और भावुक भी हुएं। उन्होंने झीरम घाटी कांड को नक्सलियों द्वारा भारतीय लोकतंत्र के ढांचे को तोड़ने का प्रयास क़रार दिया। मुख्य अतिथि, श्री राजेश मिश्रा (आईपीएस) संचालक, राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, रायपुर छत्तीसगढ़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहीद नंदकुमार पटेल का नेतृत्व और ज्ञान अद्भुत था। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गठित संस्थाओं के कार्य पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर राज्यों के हालात और छत्तीसगढ़ के नक्सलवाद पर अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं से निपटने के लिए देश की आंतरिक सुरक्षा एजेंसियां मजबूत और सक्षम हैं । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस शोध पीठ के माध्यम से जन मानस में आंतरिक सुरक्षा के प्रति जागरुकता लानी है । उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा के मुद्दे को हल करने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर कार्य करने की आवश्यकता है ।इस उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी तथा विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

## ''तम्बाकू निषेध दिवस'' पर जागरूकता कार्यक्रम

**31 मई, 2023**

अटल बिहारी वाजपेयी विश्व विद्यालय बिलासपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना तथा जिला स्वास्थ्य विभाग बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थीगण को तम्बाकू निषेध दिवस पर शपथ दिलायी गई साथ ही विश्वविद्यालय के सभागार में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू से होने वाले नुक़सान से जागरुक करना था। इस कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के सभी संकाय के छात्र छात्राएं प्रतिभागी रहें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. रंजना गुप्ता डीएचओ एवं विशिष्ट अतिथि प्रभारी एम एच ओ , डॉ श्रीकेश गुप्ता, अर्बन नोडल आफिसर, एनयुएच एम पी मजुमदार, डीपीएम एन एच एम, अंशुल टाग्धर, सीपीएम ने एनयुएचएम, डॉ. अनुपम डीसीटीसीपी अपनी टीम के साथ उपस्थित थे। डॉ. रंजना गुप्ता ने अपने उद्बोधन में तंबाकू से शरीर पर होने वाले नुक़सान का सविस्तार व्याख्या की। उन्होंने इस वर्ष के विश्व तंबाकू निषेध दिवस के विषय "वी नीड़ फूड, नो टोबैको" पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि तंबाकू निषेध हेतु तत्परता से सभी को संकल्प लेना चाहिए। विश्व स्तर पर हमारे देश के युवा पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत नशा के कारोबार के माध्यम से उनके व्यक्तिव को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है उससे सावधान रहना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में माननीय कुलपति एवं मुख्य अतिथि के द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को पुरस्कृत किया गया जिसमें प्रथम स्थान राशि मुखर्जी, द्वितीय स्थान तृती निसारे, और तृतीय स्थान दिव्या पटेल ने प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक श्री गौरव साहू, उपकुलसचिव श्रीमती नेहा राठिया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ एच एस होता,वित्त अधिकारी अलेक्जेंडर कुजुर, पीआरओ हर्ष पांडेय,, श्री सौमित्र तिवारी, लीना तृति लकड़ा, श्री सत्यम तिवारी, अविनाश ठाकुर सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

# प्राकृतिक चिकित्सा के लिए भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन का आयोजन

**31 मई, 2023**

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, कोनी बिलासपुर, में दिनांक 31 मई, 2023 को प्राकृतिक चिकित्सा के लिए भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन का आयोजन किया गया। परम आदरणीय कुलपति अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी के शुभ करकमलों द्वारा भूमि पूजन संपन्न कर भवन निर्माण की प्रक्रिया की शुरुवात की गया। प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए यह विशिष्ट पहल परम कुलपति अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी के सौजन्य से विश्वविद्यालय प्राप्त हुआ। इस पहल से प्रकीतिक चिकित्सा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विद्यार्थियों को बढ़ावा एवं बेहद लाभ मिलेगा। इस अवसर पर रजिस्ट्रार शैलेंद्र दुबे फाइनेंस ऑफिसर कुजूर विश्वविद्यालय के पीआरओ हर्ष पांडे कॉमर्स डिपार्टमेंट की एचओडी पूजा पाण्डेय विश्वविद्यालय के इंजीनियर परिमल शुक्ला जी विभागाध्यक्ष गौरव साहू, योग अनुदेशक सुश्री मोनिका पाठक ने उपस्तिथि देकर अनुग्रहित किया। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के नीतीश साहू, श्वेता सुमन अनंत, हरी संकर एवं अन्य विद्यार्थी भी भूमि पूजन में उपस्थित रहे।

# विश्व साइकिल दिवस का आयोजन

**03 जून, 2023**

''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अंतर्गत 03 जून, 2023 को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर रासेयो, हरियर आक्सीजोन एवं निजात के संयुक्त तत्वाधान में साइकिल रैली का अयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी, एसपी श्री संतोश कुमार सिंह एवं आक्सीजोन के संयोजक श्री भुवन वर्मा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली 36 सिटी मॉल से प्रारंभ कर विभिन्न चौक चौराहों मंगला चौक, नेहरु चौक, सीएमडी चौक गांधी चौक से होते हुए रिवर व्यू में सम्पन्न हुआ। स्वच्छ पर्यावरण, अच्छे स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाए एवं नशीली पदार्थो को ना करने का संदेश देते हुए साइकिल रैली कर विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। इस मौके पर आचार्य अरुण दिवाकर वाजपेयी ने अपने कोनी स्थित आवास से विश्वविद्यालय तक साइकिल से यात्रा की और संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन घर से विश्वविद्यालय तक साइकिल से आएंगे। साथ ही उन्होंने अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों और अधिकारियों को भी संदेश दिया कि अधिक से अधिक साइकिल का उपयोग करें। साइकिल चलाने से शरीर, मन स्वस्थ रहता है इससे ऊर्जा की बचत होती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। इस साइकिल रैली में कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी, कार्यक्रम समन्वयक रासेयो, डॉ. मनोज सिन्हा, कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रेखा गुल्ला, विक्रम दिवान, मोना केंवट, मुकेश सोनी, मुक्ता श्रीवास्तव , डॉ. गरिमा एवं रासेयो के स्वयंसेवकों बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा श्री शंकर यादव, रेखा गुल्ला, मोना केंवट एवं मुक्ता श्रीवास्तव को सम्मान दिया गया।

विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष में आज अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के सम्माननीय कुलपति प्रोफेसर एडीएन बाजपेयी ने अपने कोनी स्थित आवास से विश्वविद्यालय तक साइकिल से यात्रा की और संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन घर से विश्वविद्यालय तक साइकिल से आएंगे, साथ ही उन्होंने अपने शिक्षकों, विद्या थयों और अधिकारियों को भी संदेश दिया कि अधिक से अधिक साइकिल का उपयोग करें। साइकिल चलाने से शरीर, मन स्वस्थ रहता है। इससे ऊर्जा की बचत होती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है।

## विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

**5 जून, 2023**

''आजादी का अमृत महोत्सव''- के अंतर्गत 05 जून, 2023 को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर रासेयो, हरियर ऑक्सीजोन एवं निजात के संयुक्त तत्वाधान में साइकिल रैली का अयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी, एसपी श्री संतोष कुमार सिंह एवं आक्सीजोन के संयोजक श्री भुवन वर्मा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली 36 सिटी मॉल से प्रारंभ कर विभिन्न चौक चौराहों मंगला चौक, नेहरु चौक, सीएमडी चौक गांधी चौक से होते हुए रिवर व्यू में सम्पन्न हुआ। स्वच्छ पर्यावरण, अच्छे स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाए एवं नशीली पदार्थो को ना करने का संदेश देते हुए साइकिल रैली कर विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। इस मौके पर आचार्य अरुण दिवाकर वाजपेयी ने अपने कोनी स्थित आवास से विश्वविद्यालय तक साइकिल से यात्रा की और संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन घर से विश्वविद्यालय तक साइकिल से आएंगे। साथ ही उन्होंने

अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों और अधिकारियों को भी संदेश दिया कि अधिक से अधिक साइकिल का उपयोग करें। साइकिल चलाने से शरीर, मन स्वस्थ रहता है इससे ऊर्जा की बचत होती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। इस साइकिल रैली में कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी, कार्यक्रम समन्वयक रासेयो, डॉ. मनोज सिन्हा, कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रेखा गुल्ला, विक्रम दिवान, मोना केंवट, मुकेश सोनी, मुक्ता श्रीवास्तव , डॉ. गरिमा एवं रासेयो के स्वयंसेवकों बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा श्री शंकर यादव, रेखा गुल्ला, मोना केंवट एवं मुक्ता श्रीवास्तव को सम्मान दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

June 5, 2023 Sudhir Tiwari

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

**बिलासपुर।** अटल विश्व विद्यालय में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का आयोजन
आज़ दिनांक 5/06/2023 को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेई विश्व विद्यालय बिलासपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना और विश्व विद्यालय शिक्षण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस आयोजन का विषय "मिशन लाइफ" रखा गया था। यह कार्यक्रम प्रातः आठ बजे से प्रारंभ हुआ।इस कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के समस्त अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी

# विश्व रक्तदान दिवस का आयोजन

**14 जून, 2023**

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर के सबंद्ध रासेयो इकाईयों द्वारा 14 जून विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 97 छात्र,छात्राओं ने रक्तदान किया एवं लोगों को रक्तदान के प्रति जागरुकता लाने के लिए रैली, पोस्टर के माध्यम से जागरुक किया गया। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग, सी.एम.डी.महाविद्यालय, बिलासपुर, कमला नेहरु महाविद्यालय,

कोरबा शास. महाविद्यालय, करतला, शास. महाविद्यालय, बरपाली के द्वारा 20- 20 यूनिट रक्तदान रासेयो छात्र, छात्राओं द्वारा किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग एवं अपोलो हॉस्पिटल, बिलासपुर के संयुक्त तत्वाधान में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल, सभागार बिलासपुर में रक्तदान शिविर तथा रक्तदान के संबंध में व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय रासेयो समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा ने कहा कि- रक्तदान युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा इसमें युवाओं की अहम् भूमिका होनी चाहिए।

विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग रासेयो (बालिका इकाई) कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुमोना भट्टाचार्य, ने अपने वक्तव्य में कहा कि ''रक्तदान ही जीवन दान है'' अर्थात किसी दूसरे की जिन्दगी बचाने हेतु परस्पर सहयोग एवं सामजस्य की गौरव साहू विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग अधिकारी ने अपने उद्‌बोधन में समस्त रक्तदाता छात्र-छात्राओं की कार्यक्रमों में सम्मिलित होने तथा युवा जानकारी देने एवं रक्तदान हेतु प्रेरित डॉ. सौमित्र तिवारी ने कहा कि रक्तदान बना रहता है जो कि स्वास्थ्य के लिए अपोलो हॉस्पिटल ने अपने व्याख्यान के के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। रक्तदान कर सकते हैं और कौन नहीं क्या है तथा रक्तदान से युवा वर्ग दूसरों

यदि हम अपने रक्त का कुछ मात्रा उपयोग में लाते हैं तो इससे समाज में भावना बढ़ती है।

रासेयो (बालक इकाई) कार्यक्रम विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के प्रसंशा करते हुये उन्हें इस प्रकार के पीढ़ी को रक्तदान के बारे में करने के संदर्भ में बातें कही।

से शरीर में रक्त संचार का संतुलन आवश्यक है। डॉ..प्रेरणा मोहन, माध्यम से छात्र-छात्राओं को रक्तदान उन्होंने बताया कि कौन से लोग कर सकते। रक्तदान करने के फायदे की मदद कर सकते हैं, जान बचा सकते हैं, साथ ही साथ स्वयं भी सेहतमंद रह सकते हैं। रक्तदान करने के क्रम में पूरे देश में छ.ग. राज्य काफी पीछे है। रक्तदान के संदर्भ में व्यापक प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी यहां के युवा वर्ग पर निर्भर करता है जिससे की रक्तदान को बढ़ावा मिल सके।

कार्यक्रम में अपोलो हॉस्टिपल के डॉक्टर, स्टाफ, तथा विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय से लगभग 50 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुये। जिसमें रक्तदान हेतु छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें शामिल है- रोहित देवांगन, साहिल टंडन, वैभव पटेल, जी.करन, पियुष दत्ता, ओम प्रकाश। कार्यक्रम के संचालन हेतु निम्न छात्रसंघ के निम्न सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ- अखिल शर्मा, नीरज यादव, स्वप्निल पाण्डेय, यशवंत सिंह, आरती बंजारे, सूजय पाण्डेय, सूरज सिंह राजपूत आदि।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

**21 जून, 2023**

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं अंतर विश्वविद्यालय, केन्द्र योग विज्ञान, बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में योग विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के द्वारा ''वसुधैव कुटुंबकम् के लिए योग'' विषय पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय कोनी बिलासपुर परिसर में प्रातः 7.00 बजे योग शिविर का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति महोदय आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्जवलित कर रन फॉर योग को हरी झंडी दिखाकर दौड़ का प्रारंभ किया गया जिसमें लगभग 175 कर्मचारी, अधिकारी एवं छात्र, छात्राओं ने इस दौड़ में भाग लिय तत्पश्चात् योगाभ्यास प्रारंभ किया जिसमें लगभग 275 कर्मचारी, अधिकारी, प्राध्यापकगण, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र, छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने कहा कि योग न केवल व्यक्ति के शारीरिक रोगो को दूर करता है अपितु यह हमारे मस्तिष्क के नकारात्क विचारों को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने मे भूमिका निभाता है, उन्होनें कहा वैश्विक शांति के लिए योग जरुरी है। श्री गौरव साहू योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया।

# बारहवॉ स्थापना दिवस समारोह

**24-25 जून, 2023**

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा दिनांक 24 जून, 2023 को बारहवा स्थापना दिवस के अवसर पर प्रातः 8.00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 पौधे का रोपण किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी में 12 वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम शुरु हुआ। पहले दिन सुबह कैंपस में पौधरोपण किया गया। वह पद्मश्री उषा बारले, गजल गायिका भाविका सहित छात्र-छात्राओं ने गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुति दी।

पद्मश्री बारले द्वारा पंडवानी गायन प्रस्तुत किया गया। जरासंघ वध के कथा को उन्होंने बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद बिलासपुर की उभरती गजल गायिका श्रुति प्रभला ने एक से बढ़कर एक गजल की प्रस्तुति दी। भाविका ने भरत नाट्यम की प्रस्तुति दी। इसमें उन्होंने भगवान शिव की स्तुति की। शिवम सह के द्वारा कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया गया। भजन गायन मां मालती मानस मंडली के नरेंद्र पटेल और अन्य ने किया। आर्या अग्रवाल ने शिव तांडव और राजस्थानी नृत्य अंजलि देवांगन ने प्रस्तुत किया। परंपरागत नृत्य डेजी और शिवांगी ने प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ गीतों पर फूड प्रोसेसिंग विभाग के छात्रों ने नृत्य किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. तरुणधर दीवान, सहायक कुलसचिव रामेश्वर राठौर, डॉ. सौमित्र तिवारी, यशवंत पटेल, गौरव साहू, डॉ. पूजा पाण्डेय, डॉ. सीमा बेलोरकर मौजूद रहे। 100 से अधिक पौधे रोपे गए सुबह विश्वविद्यालय कैंपस में पौधरोपण हुआ। इसमें नीम, पीपल, बरगद, कदम, बादाम, करज, आंवला, अमरुद, सीता फल, आम, जामून, कटहल, अनार के साथ बड़े पैमाने पर हर्बल औषधि गुण वाले पौधे लगाए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री ऊषा बारले रह । अध्यक्षता कुलपति आचार्य वाजपेयी ने किया। संचालन डॉ. सुमोना भट्टाचार्य और डॉ. रश्मि गुप्ता ने किया। डॉ. एच एस होता ने पद्मश्री बारले को छ.ग. की सांस्कृतिक राजदूत के रुप में संबोधित किया।

## बारहवें स्थापना दिवस के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में 25 जुलाई 2023 को बारहवाँ स्थापना दिवस समारोह एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका विषय ''भारतीय शिक्षा का वैश्विक संदर्भ'' रहा। जिसमे मुख्य अतिथि श्री उमेश पटेल माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार,खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छ.ग. शासन (आभासी माध्यम से), मुख्य वक्ता प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी पूर्व माननीय कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष उच्च शिक्षा परिषद (उ.प्र.), विशिष्ट अतिथि श्री अटल श्रीवास्तव माननीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल, श्रीमती रश्मि आशिष सिंह माननीय संसदीय सचिव एवं विधायक तखतपुर, श्री शैलेष पाण्डेय माननीय विधायक बिलासपुर एवं श्री रजनीश सह माननीय विधायक बेलतरा रहे। माननीय कुलपति, आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम पूर्ण किया गया।

## नर्मदेश्वर महादेव की नगरी अमरकंटक में छात्रों की अद्भुत प्रस्तुति

शनिवार को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय श्री ए. डी. एन .बाजपेयी जी के प्रेरणा से प्रेरित होकर तथा कुलसचिव महोदय योग विज्ञान के विभाग अध्यक्ष गौरव साहू तथा योग अनुदेशक सुश्री मोनिका पाठक के मार्गदर्शन में आई.जी.एन.टी. विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित योग उत्सव 2023 मे योग पिरामिड का अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा अद्भुत एवं मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसमें आई..जी.एन.टी. कुलपति महोदय, डॉक्टर, कुलसचिव, हरे राम पाण्डेय. तथा अन्य स्टॉफगण एवं श्री मृत्युञ्जय सर एनाटॉमी फिजियोलॉजी आफ एम्स कार्यक्रम में उपस्थि होकर कार्यक्रम की शोभा और महता बढ़ाई। शुद्ध योग केंद्र से श्रीमती मंजू लता पाठक, तुलसी विश्वकर्मा, अंकिता अग्रवाल, स्वागता दत्ता, भावना जी ने बच्चों के साथ अमरकंटक पहुंचकर उन्हें खूब आशीर्वाद दिया पिरामिड में प्रतिभागी के रुप में छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। शुद्ध योग केन्द्र अटल विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया, जिसमे भावना तिवारी, श्वेता सुमन, माधवी, मुनमुन केसरी, आर्या, सार्थक,प्रणव, जान्हवी, ताहिर, रेयान, रीत, मुस्की, अनय, जागृति, प्रिया, मुश्कि, अंकित, लोमश, विकाश, अंजली चौहान, राजेश अंजली सिदार, राहुल, इंदू, रोशनी, पूजा, शानू, हरिशंकर, रितु प्रतिभागी के रुप में हिस्सा लिया और दिल छूने वाली प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया साथ ही हर घर योग हर आंगन योग के संदेश को जन जन तक पहुंचाया।

## सुशासित अर्थव्यवस्था ही मानव समाज के लिए हितकारी है - कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी

**10 जून 2023**

विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा दिनांक 10 जून 2023 शनिवार को " अर्थशास्त्र में सुशासन" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के तौर पर माननीय कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी ने अपने उद्बोधन में लखनऊ विश्वविद्यालय के अटल सुशासन पीठ की स्थापना पर बधाई देते हुए कहा कि अटल जी सुशासन के प्रतिरुप थे।

उन्होंने अपने वक्तव्य में इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक विश्व समुदाय यदि अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सुशासित अर्थव्यवस्था का पालन करें तों यह सम्पूर्ण मानव समाज के लिए हितकर होगा। उन्होंने कहा कि आज़ का समाज भौतिक संसाधनों पर नियंत्रण और उसके उपभोग के लिए आपस में संघर्षरत हैं जबकि सुशासित अर्थव्यवस्था में सभी का आपसी सहयोग और कल्याण की भावना निहित हैं इसलिए हमें ऐसी आर्थिक प्रकिया को अपनाना चाहिए जिससे सभी के लिए लाभदायक हो। उन्होंने इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के सम्माननीय कुलपति प्रो. आलोक राय और अटल सुशासन शोध पीठ के सम्माननीय अध्यक्ष, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित के प्रति इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए आभार प्रकट किया।

## कुलपति जी की उच्च शिक्षा मंत्री के साथ सौजन्य मुलाकात

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी ने प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल के गृह ग्राम नंदेली खरसिया रामगढ़ में सौजन्य मुलाकात कर उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के स्थापना दिवस 25 जून को होने वाले कार्यक्रम पर विश्वविद्यालय आमंत्रित किया। उन्होंने इस अवसर पर शहीद नंदकुमार पटेल के समाधि स्थल पर पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. एच एस होता भी साथ थे। अपने मुलाकात में कुलपति ने मंत्री को नये शिक्षा सत्र के प्रारंभ होने और विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में चर्चा किया।

# संपादक मण्डल

**सदस्य**

*प्रो. डी.एस.वी.जी.के. कलाधर*
*विभागाध्यक्ष,*
*सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विभाग*

**संपादक**

*डॉ. सीमा ए. बेलोरकर*
*सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विभाग*

**सदस्य**

*डॉ. राजकुमार सचदेव*
*हिन्दी विभाग,*
*शास. महा. रतनपुर, बिलासपुर (छ.ग.)*

**सदस्य**

*ई. यशवंत कुमार पटेल*
*विभागाध्यक्ष,*
*खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी*

**सदस्य**

*प्रो. एच.एस. होता*
*विभागाध्यक्ष,*
*संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग*

**सदस्य**

*श्री हामिद अबदुल्ला*
*विभागाध्यक्ष*
*होटल प्रबंधन एवं आतिथ्य विभाग*

**सदस्य**

*डॉ. पूजा पाण्डेय*
*विभागाध्यक्ष,*
*वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग*

**सदस्य**

*डॉ. सुमोना भट्टाचार्य*
*समन्वयक आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ*
*वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग*